

वा॥॥ वेणक हा बाल भुवाकु यि पलि समराग का क नख स हा सी भाद वात न का उत्र अ
 वलि ग्व॥॥ देव दात्र कूट भनयस्य हि ग्व स्य स्य यव स खाल धनी नी न न स्य यट स याद
 का उव च य विवि॥॥ यि पलि भुवाकु जी नी स्य स्य दा उ वि सा ख न सम राग क सी न वा न
 गु ठि वि न भवन वरु यि वा स वा न यट कूट लय भ उरु म ॥॥ का उव भु वि ग म न य क
 सी स भखा वा सि घा त क हा वा सु भु वि पू वा कि स ला मि स हा सी भाद क सा ह न व ल रि
 ग्व॥॥ ह ल उ म ३ चू न क सी न वा ल न का सु भु द्वि ॥॥ ह न जी सा ध या कि नि चू न आ क
 त ग्व न य उ व स्य का खा य क रि ग्व॥॥ हि ग्व म ४ ख वा कु १ य उ वि १ भु वि १ जि नी २ ह
 ल उ ३ य स्य नाम न ३ कूट ४ थ मि चू न या द का क ल ख स हा सी भाद वा हि नी म जि न

लिग्व॥ ॥ जति यस्मिन् क क ठासि यी यलिसमरा गचून याद कली नवालनस्य
 खालसंलिग्व॥ ॥ धात्रस इ इ ज या याल ख नाथा ग्राज मान धूनदाव जयया लया इ
 वनं च गूलयन जययालमं ३ भा हा गमं १ मलचमं ३ थति धात्रस इ इ स न स्मि न ४
 धात्र गनकं ग्वद विद न थ गु नि च ग्व उ ख द न यन का चू या ज का थ वि धि ॥ ॥
 मि त खात्र १ इ इ मं ७ धात्रस इ इ मं १ ४ थत मि स टा के के ज सी या त ध त्र चून मं २ थनः
 वाला व ग्व उ वि न क र्मु स या य धन के अथ नि थ ना स ल न ल ख न का चू या न वि
 प्रच न वि धि ॥ ॥ ज ना ज वा धात्र धात्र न दा ज अ य ॥ ॥ म् ग अ व ल दा सी का क ना न
 ज्ञानत्र सह ज य खाल या द का द य ॥ ॥ न द्वा या ज कली नवाल धा न मा ग स थ ल न
 ७

काथ

२३

वसयाय पुनतालीन समराग वनयाद अ उ सती न द्वा सी मान क दाय ना ॥ ॥ ज ना धात्र व न धा द धल स रा
 स्य मान क दाय ना ॥ ॥ त म ४ प्र व न स ली रा द या धि क रु न स मा १ १ अ य स्मा व न ति ह्वा या द या धा ले थु वि
 ध ॥ वा ग न पी ति मि त उ या वि काल ८ न त व द या य अ धि का न व द्धि ना कि उ य अ य स्मा व लो य वि या
 पुन डा डा थ य ता वि ध न व ॥ ॥ ध या वि कि ला ॥ ना न द्या दि पु ख लि या द म य न व ७ १० ८ ध व न द्रा स
 स थ द्वा व अ य स्मा व ना ॥ ॥ हा क मा खि व स्य उ य वा स या व क म य स ति क द्वा ध लि हा म य न वाल न
 क ध न खि हा त द्वा व खि स हा म ल र का का र्म त य ध हा म ल ल ख न न स्य का था य स थ उ य स्य द्रा स स
 ति थ क अ य स्मा व ना य ना ॥ ॥ रु व थ न म ति य ति २ म य व ग्व १ २ ख दू ल ख न न स्य द्रा स स थ न धा उ ला
 उ हा स्य व न अ य स्मा व ना य ना ॥ ॥ स हा य न हा म ल व १ १ २ ल ख न न स्य का था उ स थ उ य या व ज

वक्राससथेन धाव अयस्मानवायनास ॥ ॥ कालवा असावर्त्य विनिर्लखसमर्थ क्राससथेन अयस्मा
 नवायनास ॥ ॥ विकृष्टकश्रुत्या हाव क्राससथेन अयस्मानवायनास ॥ ॥ स्वाननश्रु कुरुटमवाध
 कस्वानमवच प्रयाव क्राससथेन अयस्मानवायनास ॥ ॥ विनिर्लुपि विधिवि समतागलखननस्य
 क्राससथेन अयस्मानवायनास ॥ ॥ पदं प्राप्तिनिवका नि दूयायत्वा निलावता । कवाति विविवाया
 धिन सर्वांगकाससंस्तान ॥ ॥ निवसवहनयूलाय रुसनयायलदहाव धवायूननानायाधिया २१
 त ॥ ॥ योयानिकिसा ॥ याव अलठयामतिथ ॥ कादुसगक्रासथ ॥ लखनस्य क्रा कदास्य वकि लुवक कत
 वाय धर्यस साकूठ साइडकूठ ॥ वकनकूठ ॥ खन धक्राससथेन मदनियाय वातवायनास ॥ ॥ उउउगु
 उम दिगुरुल म उ यवास सावालेखसूचक कतवाययानका उ द्वातकमानक वातवायनास ॥ ॥ वलाहा

अदय ॥ ॥ वहनउप विपनिष ॥ ३ मनवम् ॥ धत हिमनाज तिनन स्य लु विनकीतय रीमनाज
 तिनरुसीन दिन नितानसतय धनवर्हिनिध कनस मिसवान धायनन वनावडाव अमिताज
 दय ॥ ॥ वदनागा सयायनपतिनि मनूसंमस्त काययादहन आनावर्धन मिखाखतिना ॥
 हनउ मिविकिसि रूहिमीठ स्य (ध्र) न्याथान जिन सानधान (म) मनि सखिसा (ध) धन सखि स्यतय
 धनसन मिखासथ द स्याकना ॥ ॥ पतधन कूट लुकम्यात कूटवीज धवदान समतागवन
 सदहनन स्य वर्हिनिदयक डान मिखास्याकखा विहाजाना ॥ ॥ हनउ व कूट पिपिसि मनव
 वहनउप नातिसख मननिव समतागवन सयादहनन स्य वर्हिनिदयक डानन मिखास्याकखा वि
 हावयार्ति ॥ ॥ स्वाननठत उथत कन याव सिजन रंजसतय (ध) निसयाहन धवासननीडा सिजन

सदा सदा वदन्तु सति कुरु दनं वनसं यन्न नानाव मिलासयन् मिकहि वनं स्यात् सुखा विवर्ण
 र्ति ॥ ॥ यागुनयातिसु कपुनका र्ण मिलासयन् मिलास्य द्यार्ति ॥ ॥ रुनउप १० व रुनउम १२ पत्त
 तिम ४ मनवर्त २ क किननया अ वलिनिदयक मिलासयन् अतिउरुम ॥ ॥ पिपनिग्व ३ मनवः
 ग्व ४ रुनउप ग्व १२ क गल वा ५० रुमनव ८० मनव ग्व १३ पिपनिग्व ५० धत ल तनन र्ण वलिनिदयः
 क मिलासयन् गजदय ॥ ॥ ७ रुनउ म निक व काय ग्व १ पिपनिग्व १३ मनव ग्व २ धत हिमनाज
 तिनन र्ण वलिनिदय क मिलासयन् ल उचिन हिमनाज तीनरु र्ण दिन १ न रा सतय धवलि
 निदना व मिलासयन् थ व न नवाना व तजदय ॥ ॥ ८ ल्वता सयाम निपत्त ता मा रु नदि मही का
 यनता वा दू दूनवा सर्थ ८ मिलासयनिना ॥ ॥ ९ ध नुल्व रु ट का लस्य मावा न गु उता ता का समताग

五

॥ तिसि वमनायि रुकुञ्जिनि स्य ॥ भगवत् स्वमाग्न्या च नरि ग्य ॥ ॥ यमनि रुकुञ्जिनि या ल्ववान का
 खट्टसमलाग ॥ निजानवा लन माग्न्या ० वा तना ॥ ॥ कुङ्कावृद्धमति वायु ० ॥ लकल भ्रस नम
 कावकुलन ॥ याम्य रूलका व्याहिरादि ॥ ॥ कायलयं कौलवव वायुन मन कर्न स्यावकल वासनीक
 उत वि ० नां था रुनयं वासस वद नया ॥ ॥ थ याचिकि ल्मा गा ॥ रा खं लु र्मि मिदि काये थे उ भल हा अरु ल
 इडन नस्य थन नलय नयं रु य स्य यिरु न वास मं ग्वना ॥ ॥ प्रिकट्टि रुना यव स यात्र सविक्ता यथ
 का क लख सहा स्य नाद ॥ ॥ वास मं ग्वना स ॥ ॥ खल स स्वपात नदा का व द्वा वृ ना म द्वा स्य नासा वा दद
 लस गा रा खल ख जना ॥ ॥ निवर्द्ध ० लय थू यस्य मूक वल्ल वत गल । मदा न्ना यदि वा द्वा गल ग धुं गम
 दि भग ॥ वं थनयं द्य धन वं थ गू माग्न्या वास थं का यन चू व गल स रु व धं ग्वद व चिकु निद व थ गल ग
 धु थाये ॥ ॥ कर्क वृ का ला म ल क य मा ० क क्का ल्म न्या गल वं ० ल्म ० म द ० क रु स्या चि न म न्द या के ०

विलिप्तमहागहनकस्मिन्नालनके बालभावाभासकिमिनास॥ ॥मनभिलभुठिथककुथदबालया
 यद्विजनास॥ ॥अविलिहाखासधर्म्यबालकयाखासुवावनाभा॥ ॥मनभालभुठिधनबालमइइ
 थनमानक, बालयाग्रहवीजनाभा॥ ॥कस्मिन्नासइइयिथिनि, उउयूसमहागहनमंरबालनकववा
 वृवायावमामयायनस्यालहिग्य॥ ॥महाकुभला, कांसहाजलउहा, अखानहासमहागहनमंर
 धनसाखननबालनस्यमामयायनस्यालहिग्य॥ ॥लिकस्मिन्निसेवाटक, किमुठिका०यर्थउरुल
 अवलहा, अरिगहासमहागहन, मंरसाखनसाइइनबालनानक, वकुठिवायावमामभनीनमस्मिन्
 स्यथानदास्यथवासरनानक, नानख॥ ॥स्वावरंनंगमंवेव, द्विविधंविषमूयन, १मूलाद्यात्मकमाध्वस्या
 यनंस्यादिसं हव॥ स्वावलंनंगमंविषद्वानंनगाविधि॥ ॥स्वावरंविषमूलादि, ३गमविषसर्वसं
 हवआदि, नगाविधिरुभा॥ ॥यनंविष, यामनलखननस्यगाहनयसुनप्रहिग्य॥ ॥मलिस्थानकहा
 हाइइनस्ययायकासिनकाकयाजकिरि॥ ॥ववकनहालखननस्यगाहनक, यसनसं धग्धनलः

यद्वि
 दा
 गे
 द्वाभ
 स्मिन्
 या

न्नावासावानप्रहिग्यख॥ ॥अनुनदभनयूयाचिकित्साद्राय॥ ॥खुधनमनाधिविषखयन, ग्धभयनकहा
 मयव, दनरु, लखननस्ययाय, खिवानदाक, रुमिनहाक, वनहाक, अदिनहायादियातहिग्य॥ ॥
 ००निमोधवनिदानयनिकप्रतिदितासमाक॥ ॥वकसाधनय, कामदगहास्य, अवलधूयामनमंइखा
 दलखननस्य, कस्मिन्निनका, दनानक, लिङ्गमदल, मानवययकहीह॥ ॥हि, कोउयकेशेसा, खहोगा
 द, उउयका, कुभावा, मदा, लभावा, द, रुमंख॥ ॥खुनअसल, धनअ, कस्मिन्नि, वकन, खन, विधि, चिकित्सा
 द्राय॥ ॥धनकहा, प्रग, शालप्रग, ००, लुअवप्रग, गुठगुप्रग, धनिस्थानप्रग, गुलादप्रग, यिथिलाकलप्रग,
 भुठिप्रग, गुठवीजप्रग, पाउयप्रग, बालप्रग, धनका, थदाय, खखरु०, घालागीप्रग, १०, खद१०, ग्वउव
 ह१, मययप्र१, यिथिनिप्र१, भुठिप्र१, रुलउप्र१, अवलप्र१, वदलउप्र१, यूमनिप्र१, हाक, शिनिप्र१, क
 ल्यानकअखनविधि॥ ॥आदभकु२, मयवकु२, यिथिनिकु२, भुठिकु२, यिथिलाकलकु१, सिथिकु१, विगक

चिवा
 नहा
 कया
 हिथय
 दया
 वकन
 वनय

हाक १ गजपिलिक १ गालिसर्म ६ पात कर्म ६ कुसलहर्म ६ लडाहर्म ६ भुकम्यालर्म ६ लव लावर्म ६ न
 यकमलर्म ६ रुकुजिलिम ६ सोहनर्म ६ त्रिर्म ६ युनाधदाक १ युनाधव नीनायव ॥ ॥ वा ला हा ॥
 अवलहा १ रुन निसि हा म्र १ का मानाधि सहननस्य का क सहनयजीवथीलवन ॥ ॥ यु यवान हा
 कट्ट क महनीनी आखे १ भगयुथ स्वतमत्रिव दवदानुहा मनठि समलाग क व १ धनसाह १ ला हा नी
 १ धानरु १ ल १ खरु ४ खधन थस्य १ भसथन मर्दन न योयवागयिरुस द्र स्यात्र यग स्यात्र रु स
 नया यवयल क कालहि ग्वखनज कर ॥ ॥ अउ भगि कु १ सा खल य १ यिपिप्रिय २ धनकु १ वग दाव
 कायउस थस्य काय खाद नकाव कलिनवाल यु ३ हि स्य काल भर्म २ यिरु द्रय या यतल यायस वाथान
 भ पातम मलास्यहि ॥ ॥ गालिसर्म ३ मत्रव ६ भुठिर्म २ यिपिप्रिय १ २ व सलावनर्म १ १ भुकम्यालर्म १ सा
 खल य २ लवकु १ थ गिरुन काललकाव द्रकस्य १ अ सलवन रु स्य दानुवा न नर्म ४ नक यिरु वाग
 या रु सनास थासननज कर ॥ ॥ यिपिप्रि यिपिलामूल सिपि चितकहा भुठि समलागर्म १ यक स खालर्म

६०

मूल २ सिपि २ चितकहा भुठि २ मत्रव २ अजमाउ २ लदुलिस २ यिमुनि २ वकन २ अज गीध २ सा खन १६
 नमसाक वा ठनलवलमदा थधि ग्वनायस थ गालि स्यादि गधुलि ॥ ॥ हलउ यिपिलि ची हाकना थ
 न समलाग रुधयादनस्य अग्नि दीपक नर्म २ धन ॥ ॥ यस्याक का द्रु का क ७ ग हा का याव का द्रु
 कान रुठसधन व गलस का खासीन व रुगन कन मरुव ॥ ॥ वलसद्रु सजयवाल मान खा ला था ॥
 लाव मान धूनकाव जयवाल या इवन रु ग्वलयन वा ये जयया ग ३ ख हा लाग २ थन का वलसद्रु
 ननस्य नकि ५ गनक ग्वउविन थरु ग्वउ न खा द्रु लखन का वुस्य का १० विधि ॥ ॥ का खरु हा दा सहा
 वकसिकव थनवा सी द ननस्य वकनन कल लास्य था रु सया ये वाक सदव ला वर्य सी न याल योय
 प्या क सह न सा यात्रया ल वन मरु वल जाय ॥ ॥ धनवा गुठ गु वानस्य वाग रुन ॥ ॥ अउ दा वानस्य
 म्रु वरु ध मल वरु ध वरु ख ॥ सा खन वानस्य यिरु ॥ कसी वानस्य १ धा रु ल ॥ नक वाग स अलउ वक
 नवान ॥ अमवाग स भुठि ना गु उ गु कल्याविधि ॥ ॥ भा व सा खल हा म्रुर्म १ धल स निन वालाउनस्य

याक
सया

युक या उरुमख ॥ ॥ सुठिवाल के ० गिति साखन समरुग नमं २ धननवाल युनिन वालाउनया याति
 ग ॥ ॥ आखं ६ महान मरु खकन गुठगु २ लखननस कस्ति ३ द नान विरुनभाउसाल यिक ल
 लु ग्यउमरु लिरि ग्य साखल दाउया दाषधि ॥ ॥ मुठिमे १ मवच १ यियिलि ६ नय के भन ४ याक
 क ३ लवद त्यावर २ मुक म्याल १ साखन २६ धनरुनयान न मं ६ वागपिरु हन जग्निर्म लु ना भवन
 धूमिक सनस कुरु ॥ ॥ गाली समं ३ वं नलावन ३ जीवि ३ लवद ३ मवच ३ यियिलि ३ मुठि ३ लव
 द त्याव ३ नय के भल ३ मुक म्याल ३ यागक ३ भमला ग साखल वच्छि ३ मववच्छि वाग यिरु ना भन
 चिक नजुधि ॥ ॥ मुठिमे ३ यियिलि ३ विठ मय ३ गुलाउ ३ कस्ति ५ उखला ३ जवय ३ उरु ल ३ ३
 जग्निभाउ ३ कवउ विस कव ३ ०० विमिदि ३ कस्ति नवा न जग्निर्म द यन स्या कया नचिक नशा ॥ ॥ हं नुः
 मं ३ यक्ष लामल ६ लरु वि ६ ह नउ एस्य ५ २ वउ दी २ स्वावा रुल २ यियिलि ६ मुठि ६ यिमूनि ६ यन
 न स्या नदवल हि ग्य कस्ति नवाल लुष नचिक न ॥ ॥ ॥ यवसखानमं १ साहा नम १ रुक

न न
 न न
 क न

६९

नचिक
 ल ॥